

मसालों की नई प्रजातियों के बारे में बताया

कानपुर। चंद्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय में रविवार को उद्यानिकी फसलों में नूतन प्रगति एवं मूल्य संवर्धन विषय पर दो दिवसीय वैज्ञानिक कार्यक्षमता विकास प्रशिक्षण का समापन हो गया। डॉ. संजीव कुमार सिंह ने सब्जियों और मसालों की नवीन प्रजातियों के बारे में विभिन्न कृषि विज्ञान केंद्रों से आए वैज्ञानिकों को विस्तार से जानकारी दी। अधिष्ठाता कृषि संकाय डॉक्टर धर्मराज सिंह ने उद्यानिकी फसलों में लगने वाले कीट एवं रोगों के बारे में जानकारी दी। इस मौके पर डॉ. कृपाशंकर, डॉ. अरविंद कुमार सिंह, डॉ. एसबी पाल, डॉ. धनंजय सिंह, डॉ. पीके राठी आदि मौजूद रहे। (संवाद)

Sign in to edit and save changes to this file.



देश-विदेश

लखनऊ और देहरादून से प्रकाशित राष्ट्रीय हिंदी दैनिक

उत्तर प्रदेश

सरदार पटेल कुछ और समय जीवित रहते ... 12

हमारे फोन टैप करवा रही भाजपा : अखिलेश यादव ... 05



जन एक्सप्रेस

लखनऊ

वर्ग: 13 | अंक: 69

मूल्य: ₹3.00/-

पृष्ठ: 12

@janexpressnews

janexpresslive

janexpresslive

www.janexpresslive.com/epaper

लखनऊ | सोमवार | 20 दिसंबर, 2021

दो दिवसीय वैज्ञानिक कार्यक्षमता विकास प्रशिक्षण का समापन

जन एक्सप्रेस। कानपुर नगर

चंद्र शेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय के प्रसार निदेशालय में उद्यानिकी फसलों में नूतन प्रगति एवं मूल्य संवर्धन विषय पर दो दिवसीय वैज्ञानिक कार्यक्षमता विकास प्रशिक्षण का समापन रविवार को हुआ। प्रशिक्षण के दूसरे दिन वैज्ञानिक डॉ.संजीव कुमार सिंह ने विभिन्न कृषि विज्ञान केंद्रों से आए हुए वैज्ञानिकों को सब्जियों एवं मसालों की नवीन प्रजातियों के बारे में जानकारी दी। उन्होंने कहा कि मनुष्य



केवल अनाज वाली फसलों पर ही आधारित नहीं रह सकता उसको भोजन के साथ-साथ मसाले एवं सब्जियों की आवश्यकता होती है जो मनुष्य के शरीर की रक्षा बहुत सी

बीमारियों से करते हैं। डॉ.राजीव ने संरक्षित खेती के विषय में जानकारी देते हुए बताया कि संरक्षित खेती नए युग की ऐसी नवीनतम कृषि प्रणाली है जिसके

माध्यम से किसान बाजार की मांग के अनुसार वातावरण को नियंत्रित करते हुए मंहगी फसलें तैयार कर लेता है। अधिष्ठाता कृषि संकाय डॉ.धर्मराज सिंह ने उद्यानिकी फसलों में लगने वाले कीट एवं रोगों के बारे में जानकारी दी। मुख्य अतिथि समन्वयक डॉ.अरविंद कुमार सिंह ने सभी प्रतिभागियों को प्रमाण पत्र वितरित किए। इस अवसर पर डॉ. धनंजय सिंह, डॉ. पी. के. राठी, डॉ. सुभाष चंद्रा, डॉ.अनिल सिंह, डॉ. सोहनलाल वर्मा सहित अन्य वैज्ञानिक मौजूद रहे।



Sign in to edit and save changes to this file.



बीमारियों से बचाव करते हैं मसाले व सब्जियां

□ दो दिवसीय वैज्ञानिक कार्य क्षमता विकास प्रशिक्षण का समापन

कानपुर, 19 दिसम्बर। चंद्र शेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय कानपुर के प्रसार निदेशालय में उद्यानिकी फसलों में नूतन प्रगति एवं मूल्य संवर्धन विषय पर दो दिवसीय वैज्ञानिक कार्यक्षमता विकास प्रशिक्षण के समापन पर प्रशिक्षण के दूसरे दिन वैज्ञानिक डॉ संजीव कुमार सिंह ने सब्जियों एवं मसालों की नवीन प्रजातियों के बारे में विभिन्न कृषि विज्ञान केंद्रों से आए वैज्ञानिकों को विस्तार से जानकारी दी। उन्होंने कहा कि मनुष्य केवल अनाज वाली फसलों पर ही आधारित नहीं रह सकता है। उसे भोजन के साथ-साथ मसाले एवं सब्जियों की आवश्यकता होती है। मसाले एवं सब्जियां मनुष्य के शरीर की रक्षा बहुत सी बीमारियों से करते हैं। साथ ही शुद्ध लाभ प्रति का क्षेत्रफल अधिक होता है और रोजगार सृजन में मदद मिलती है। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि समन्वयक डॉ



मुख्य अतिथि को सम्मानित करते लोग।

अरविंद कुमार सिंह ने सभी प्रतिभागियों को प्रमाण पत्र वितरित किए। वैज्ञानिक डॉ राजीव कुमार ने संरक्षित खेती के विषय में जानकारी दी। उन्होंने बताया कि संरक्षित खेती नए युग की ऐसी नवीनतम कृषि प्रणाली है, जिसके माध्यम से किसान बाजार की मांग के अनुसार वातावरण को नियंत्रित करते हुए मंहगी फसलें तैयार कर लेता है। अशिक्षता कृषि संकाय डॉ. धर्मराज सिंह ने उद्यानिकी फसलों में लगने वाले कीट एवं रोगों के बारे में जानकारी दी। जबकि पूर्व प्रोफेसर डॉ कृपाशंकर ने निमेटोड प्रबंधन विषय में बताया। कानपुर मंडल के उप निदेशक उद्यान ने किसानों हेतु सस्कार द्वारा चलाई जा रही विभिन्न लाभकारी योजनाओं के

बारे में जानकारी दी। इस अवसर पर डॉ धनंजय सिंह, डॉ पीके राठी, डॉ सुभाष चंद्रा, डॉ अनिल सिंह एवं डॉ सोहनलाल वर्मा सहित अन्य वैज्ञानिक उपस्थित रहे। अतिथियों को धन्यवाद प्रशिक्षण समन्वयक डॉ एस बी पाल ने दिया।

बारे में जानकारी दी। इस अवसर पर डॉ धनंजय सिंह, डॉ पीके राठी, डॉ सुभाष चंद्रा, डॉ अनिल सिंह एवं डॉ सोहनलाल वर्मा सहित अन्य वैज्ञानिक उपस्थित रहे। अतिथियों को धन्यवाद प्रशिक्षण समन्वयक डॉ एस बी पाल ने दिया।



Sign in to edit and save changes to this file.



6

कानपुर, रविवार, 19 दिसंबर 2021

कानपुर न्यूज

www.dinartimes.in

DGT दीनार टाइम्स

किसान अनाज के साथ-मसाले व सब्जियों के उत्पादन पर फोकस करें



► दो दिवसीय वैज्ञानिक कार्य क्षमता विकास प्रशिक्षण का समापन

कानपुर

कानपुर मंडल क्षेत्र आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय कानपुर के प्रसार विदेशालय में उद्यानिकी फसलों में वृत्त प्रवृत्ति एवं सूक्ष्म संवर्धन विषय पर दो दिवसीय वैज्ञानिक कार्यक्षमता विकास प्रशिक्षण का समापन हो गया। प्रशिक्षण के

दूसरे दिन वैज्ञानिक डॉ राजीव कुमार सिंह ने सब्जियों एवं मसालों की नवीन प्रजातियों के बारे में विभिन्न कृषि विज्ञान केंद्रों से आए वैज्ञानिकों को विस्तार से जानकारी दी। उन्होंने कहा कि मनुष्य केवल अनाज वाली फसलों पर ही आश्रित नहीं रह सकता है। उसे भोजन के साथ-साथ मसाले एवं सब्जियों की आवश्यकता होती है। मसाले एवं सब्जियां मनुष्य के शरीर की रक्षा बहुत सी बीमारियों से करते हैं। साथ ही शुद्ध लाभ प्रति का क्षेत्रफल अधिक होता है और रोजगार सृजन



में मदद मिलती है। डॉ राजीव ने संरक्षित खेती के विषय में जानकारी दी उन्होंने बताया कि संरक्षित खेती नए युग की ऐसी नवीनतम कृषि प्रणाली है जिसके माध्यम से किसान बाजार की मांग के अनुसार वातावरण को नियंत्रित करते हुए मंहगी फसलें तैयार कर लेता है। अधिष्ठाता कृषि संकल्प डॉक्टर धर्मराज सिंह ने उद्यानिकी फसलों में लगने वाले कीट एवं रोगों के बारे में जानकारी दी। जबकि पूर्व प्रोफेसर डॉ कृपाशंकर ने मिनेटोड प्रबंधन विषय में बताया कानपुर मंडल के उप

निदेशक उद्यान ने किसानों हेतु सरकार द्वारा चलाई जा रही विभिन्न लाभकारी योजनाओं के बारे में जानकारी दी। समापन अवसर पर मुख्य अतिथि सल्लाहक डॉ अरविंद कुमार सिंह ने सभी प्रतिभागियों को प्रमाण पत्र वितरित किए। अतिथियों को धन्यवाद प्रशिक्षण सल्लाहक डॉ एस बी पाल ने दिया इस अवसर पर डॉ धर्मराज सिंह, डॉक्टर पीके राय, डॉक्टर सुभाष चंद्रा, डॉ अजित सिंह एवं डॉक्टर सोहनलाल वर्मा सहित अन्य वैज्ञानिक उपस्थित रहे।

सीएसए में दो दिवसीय वैज्ञानिक कार्य क्षमता विकास प्रशिक्षण का समापन कई तरह की बीमारियों को दूर करते हैं मसाले और सब्जियां: डॉ. संजीव



कानपुर। चंद्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय के प्रसार निदेशालय में उद्यानिकी फसलों में नूतन प्रगति एवं मूल्य संवर्धन विषय पर दो दिवसीय वैज्ञानिक कार्यक्षमता विकास प्रशिक्षण का समापन हो गया। प्रशिक्षण के दूसरे दिन वैज्ञानिक डॉ. संजीव कुमार सिंह ने सब्जियों और मसालों की नवीन प्रजातियों के बारे में विभिन्न कृषि विज्ञान केंद्रों से आए वैज्ञानिकों को विस्तार से जानकारी दी। उन्होंने कहा कि मनुष्य केवल अनाज वाली फसलों पर ही आधारित नहीं रह सकता है। उसे भोजन के साथ-साथ मसाले व सब्जियों की

आवश्यकता होती है। मसाले और सब्जियां मनुष्य के शरीर की रक्षा बहुत सी बीमारियों से करते हैं। साथ ही शुद्ध लाभ प्रति का क्षेत्रफल अधिक होता है और रोजगार सृजन में मदद मिलती है। डॉ. संजीव ने संरक्षित खेती के विषय में जानकारी दी। उन्होंने बताया कि संरक्षित खेती नए युग की ऐसी नवीनतम कृषि प्रणाली है जिसके माध्यम से किसान बाजार की मांग के अनुसार वातावरण को नियंत्रित करते हुए मंहगी फसलें तैयार कर लेता है। अधिष्ठाता कृषि संकाय डॉ. धर्मराज सिंह ने उद्यानिकी फसलों में लगने वाले कीट एवं रोगों के बारे में जानकारी दी जबकि पूर्व

प्रोफेसर डॉ. कृपाशंकर ने निमेटोड प्रबंधन विषय में बताया। कानपुर मंडल के उपनिदेशक उद्यान ने किसानों के लिए सरकार की ओर से चलाई जा रही विभिन्न लाभकारी योजनाओं के बारे में जानकारी दी। समापन अवसर पर मुख्य अतिथि समन्वयक डॉ. अरविंद कुमार सिंह ने सभी प्रतिभागियों को प्रमाण पत्र वितरित किए। अतिथियों को धन्यवाद प्रशिक्षण समन्वयक डॉ. एसबी पाल ने दिया। इस अवसर पर डॉ. धनंजय सिंह, डॉ. पीके राठी, डॉ. सुभाष चंद्रा, डॉ. अनिल सिंह, डॉ. सोहनलाल वर्मा सहित अन्य वैज्ञानिक रहे।